The House reassembled at twenty-two minutes past twelve of the clock.

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

ANNOUNCEMENT BY CHAIR REGARDING SECURITY COVER PROVIDED TO THE LEADERS OF POLITICAL PARTIES

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, the Chairman had received notices in the morning about the security cover for four leaders, namely, Kumari Mayawati, Dr. Murli Manohar Joshi, Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Lalu Prasad Yadav. On these notices, Shri Prithviraj Chavan, the Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs said during the Zero Hour "Government is deeply concerned about the security of all political leaders. I assure the House that the security provided to the leaders of the political parties mentioned in notice will not be reduced". I think the statement is quite clear and no further elucidation is required. It clinches the issue. All objections raised, therefore, are not necessary.

We will now take up Zero Hour. Shri Kalraj Mishra.

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): सर, सुबह से सब zero ही हो रहा है, जवाब भी करा देते।

SHRI SATISH CHANDRA MISRA (Uttar Pradesh): Sir, we are greatly obliged to the Chair for resolving this issue.

————————

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Disappearance of Children from various Cities

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कानपुर में फरवरी से लेकर जून तक 60 बच्चे गायब हो गए हैं और वे मिल नहीं रहे हैं। रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अभिभावकगण गए, कई जगह रिपोर्ट दर्ज हुई, कई जगह नहीं हुई। इनमें से स्वयं अभिभावकों ने ही 20 बच्चों को तो ढूंढ लिया, फिरौती देकर या बाकी सब चीजें करके, लेकिन अभी भी 40 बच्चे ऐसे हैं जिनका कुछ पता नहीं है। उपसभापति जी, मुझे ऐसा लगता है कि यह केवल कानपुर का प्रश्न नहीं है, उत्तर प्रदेश का ही प्रश्न नहीं है, पूरे देश भर में जिस तरह बच्चों की और मानव तस्करी की जा रही है, उसी कड़ी के अंतर्गत ये सारी चीजें विद्यमान हैं। अभी हम देख रहे थे एक trafficking in India के बारे में स्टडी करके 'शक्तिवाहिनी' ने जो आंकड़े दिए हैं, उनमें उन्होंने कहा है कि देश के 593 जिलों में से 378 जिलों में इसका प्रभाव काफी दिखाई दे रहा है। इनमें 10 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी तथा 90 प्रतिशत राज्यीय तस्करी है और इसमें 18 वर्ष की उम्र से नीचे वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। इसी तरीके से UNICEF के अनुसार प्रति वर्ष 12 बिलियन की मानव तस्करी होती है और उसमें से 1.2 बिलियन बच्चे होते हैं। हिंदुस्तान में जिस तरीके से तस्करी चल रही है, बच्चों का अपहरण, मानव की तस्करी, जिस व्यापक मात्रा में चलाई जा रही है, उसको जिस ढंग से रोकना चाहिए, वह नहीं रुक पा रही है। चाहे प्रदेश सरकार के द्वारा बनाई गई योजनाएं हों, चाहे केन्द्र सरकार के द्वारा बनाई गई योजनाएं हों, ये योजनाएं निष्प्रभावी होती जा रही हैं। कानपुर की हालत तो ऐसी हो गई है कि वहां का सामान्य नागरिक इससे बड़ा आतंकित है। पहले किरण माहेश्वरी नाम का बच्चा गायब हो गया था, पुलिस को रिपोर्ट की गई। तब वहां की महिला डी.आई.जी. ने उसके परिवार में जाकर बड़े ही ममतायुक्त वातावरण का निर्माण किया था, उन्होंने कहा था कि मैं भी मां हूं और मैं मां का दर्द समझती हूं, यह कहकर उन्होंने यह भी कहा कि मैं उसको ले आऊंगी, लेकिन उसकी हत्या हो गई। उसी की नहीं, कानपुर में और कइयों की हत्या हो गई तथा कानपुर के साथ-साथ और भी कई स्थानों